लेखों के लिये पारिश्रमिक

१२. **श्री नवाबसिंह चौहान : क्या योजना मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या योजना आयोग तथा उसके संलग्न कार्यालयों से जितनी पत्र-पत्रिकायें निकलती हैं उनमें छपने वाले अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये समान पारिश्रमिक दिया जाता है ;

(ख) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर 'ना' हो तो इस भेदभाव का क्या कारण है ; और

(ग) पिछले वर्ष (१) अंग्रेजी और (२) भारतीय भाषाओं के लेखों के लिये कितना पारिश्रमिक दिया गया ?

t [REMUNERATION FOR ARTICLES

12. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of PLANNING be pleased to state:

(a) whether equal remuneration is paid for articles both in English and in Indian languages published in the papers and periodicals brought out by the Planning Commission and its attached offices;

(b) if the answer to part (a) above be in the negative, what is the reason for this differentiation; and

(c) what was the amount of remuneration paid last year for articles (i) in English and (ii) in Indian languages?]

योजना तथा श्रम और सेवानियोजन मंत्री (श्री गुलजारी लाल नन्दा) : (क) से (ग) योजना पत्रिका केवल अंग्रेजी और हिन्दी में प्रकाशित की जाती है । उसमें छपने वाले अंग्रेजी तथा हिन्दी के लेखों के लिये समान पारिश्रमिक दिया जाता है । १९६१-६२ वर्ष के दौरान योजना में छपने वाले अंग्रेजी तथा हिन्दी लेखों के लिए क्रमशः ७०७० रुपये ११ नये पैसे तथा ६०४५ रुपये ३९ नये पैसे की अदायगी की गई ।

t[THB MINISTER OF PLANNING AND LABOUR AND EMPLOYMENT (SHRI GULZARILAL NANDA): (a) to (c) The Journal 'Yojana' is brought out in English and Hindi only. The rates of payment for the articles In Hindi and English are the same. The total amount of payment ' made on account of contributions to *Yojana' in English and Hindi during the year 1961-62 was Rs. 7070:11 and 6045.39 respectively.

समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं में विज्ञापनों का प्रकाशन

१३. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या सूचना तथा प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय तथा उसके संलग्न कार्यालयों द्वारा जितने समाचार-पत्र और जितनी पत्रिकायें इस समय अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में निकाली जाती हैं उनमें केन्द्रीय सरकार के जो विज्ञापन प्रकाशनार्थ आते हैं वे प्रत्येक भाषा के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं के लिये अलग अलग आते हैं अथवा सम्मिलित रूप से ;

(ख) यदि वे सम्मिलित रूप से आते हैं तो क्या उनका वितरण अंग्रेजी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं को समान रूप से किया जाता है और यदि नहीं तो इसका क्या कारण है ; और

t[ ] English translation.